आकाशवाणी, गोरखपुर

दिनांक–03 जनवरी 2026 भोजपुरी समाचार

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी आजु नई दिल्ली के राय पिथौरा सांस्कृतिक परिसर में भगवान बुद्ध से जुड़ल पिपरहवा अवसेसन के भव्य अंतर्राष्ट्रीय प्रदर्सनी क सुभारम्भ कइलें। येह मौका पर श्री मोदी कहलें कि भगवान बुद्ध के ओरि से देखावल गइल मार्ग अउर ज्ञान सज्जो मानवता खातिर बा अउर उनकर पवित्र अवसेस खाली कलाकृति नाहीं बलुक देस के बिरासति क अभिन्न अंग हौ। प्रधानमंत्री कहलें कि देस में बौद्ध सर्किट क निरमाण कइल जा रहल बा।

बोधगया में कन्वेंशन सेंटर और मेडिटेशन वन एक्सपीरियंस सेंटर बनाया गया है। सारनाथ में धमेख स्तूप लाइटें साउंड शो और बुद्ध थीम पार्क का निर्माण किया गया है। श्रावस्ती, कपिलवस्तु और कुशीनगर में आधुनिक सुविधाओं का निर्माण किया गया है। आज देश में एक बौद्ध सर्किट बनाया जा रहा है, ताकि भारत के सभी बुद्ध तीर्थ स्थलों की आपस में बेहतर कनेक्टिविटी हो।

****

प्रदेस के कई इलाकन में आजु पौष पूर्णिमा क तिउहार सरधा अउर आस्था के साथे मनावल जा रहल बा। ब्रह्ममुहुर्त से लोगि पवित्र नदियन में नहान–ध्यान अउर पूजा–पाठ कइ रहल हवें। प्रयागराज में आजु से माघ मेला क सुरूआति हो गइल।

पौष पूर्णिमा के स्नान के लिए देश के विभिन्न हिस्सों से लाखों की संख्या में श्रद्धालु प्रयागराज पहुंचे हैं। भोर होते ही संगम तट पर जयकारों का शोर गूजने लगा। कल्पसावियों ने भी शिविरों में डेरा डाल दिया है। श्रद्धालु सभी घाटों पर भी स्नान कर रहे हैं। श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए प्रशासन की तरफ से व्यापक प्रबंधन किए है। इस बार आठ सौ हेक्टेयर में मेला क्षेत्र बसाया गया है। जिसको सात सेक्टरों में बाटा गया है। श्रद्धालुओ के लिए बयालिस स्थानों पर पार्किंग की व्यवस्था है। त्वरित उपचार के लिए बीस–तीस बेड के दो अस्पताल बनाए गये हैं। मेला क्षेत्र में सत्रह थाने, बयालीस चौकिंया और एक पुलिस कंट्रोल रूप स्थापित किया गया है। चार सौ सीसी टीवी कैमरें लगाए गये हैं। माघ मेले छः प्रमुख स्नान होगें और महाशिवरात्रि पर पावन स्नान के साथ ही यह आयोजन संपन्न होगा। प्रवीण मिश्र आकाशवाणी समाचार माघ मेला क्षेत्र प्रयागराज।

ओहीं, चित्रकूट में रामघाट पर भिन्नहियें से सरधालुअन के डुबकी लगवले क सिलसिला चलत बा। अमरोहा के गंगा धाम तिगरी में भोरवें से ठंडी आ कुहेसा के बवजूद ढेरि संख्या में सरधालु गंगा में नहा रहल हवें।

काशी में माघ मेला नहाये बदे लाखों सरधालु पहुंचल हवें। गंगा घाट के पुरोहित लोगिन के मोताबिक पूस के पुन्नमासी से माघ के पुन्नमासी ले नहान–ध्यान क खास महातम हौ। लखनऊ के गोमती के किनारे अउर हापुड़ के गढ़मुक्तेश्वरो में सरधालु गंगा में नहा के पूजा–पाठ कइलें।

****

लखनऊ के नवाब वाजिद अली शाह प्राणि उद्यान के कुकरैल में स्थानांतरित कइल गइले पर फिलहाल रोकि लागि गइल बा। सुप्रीम कोर्ट क केन्द्रीय अधिकार प्राप्त समिति–सीईसी चिड़ियाघर के सिफ्टिंग के मंजूरी दिहले से मिनहा कइ दिहले हौ। हलांकि समिति कुकरैल में प्रस्तावित नाइट सफारी परियोजना के कई गो कड़ेर सर्त के साथे अनुमति दे दिहले हौ, बाकिर एकरे साथे प्रस्तावित एडवेंचर जोन के रद् कइ दिहले हौ। सीईसी आपन रिपोर्ट सुप्रीम कोर्ट के संउपत कहलस कि नाइट सफारी के पहिलहीं केन्द्रीय प्राणि उद्यान प्राधिकरण से अनुमति मिलि चुकल बा, येह नाते एके आगे बढ़ावल जा सके ला।

****

बरिस दुइ हजार पचीस भारत के विकास जतरा में एगो निर्णायक कालखण्ड हौ। येह बरिस क नीतियन से प्रगति के नया दिसा मिलल आ इरादन से सारथक नतीजा। बिसेस श्रृंखला, सुधारन के बरिस में प्रस्तुत बा दुइ हजार पचीस के दौरान वित्त क्षेत्र में भारत के प्रगति पर एगो रिपोर्ट–

2025 में समानता, नवाचार, तकनीक और वैश्विक प्रभाव के क्षेत्र में भारत की प्रगति को दुनिया भर में बड़ी पहचान मिली। वर्ल्ड बैंक ने भारत को दुनिया के सबसे समान समाजों में से एक बताया। भारत का जी इंडेक्स 25 दशमलव 5 रहा, जो चीन, अमरीका और सभी जी 7 तथा जी20 देशों से बेहतर है। अंतर्राष्ट्रीय श्रम संगठन के अनुसार भारत में सामाजिक सुरक्षा का दायरा 2015 में 19 प्रतिशत था, जो 2025 में बढ़कर 64 दशमलव 3 प्रतिशत हो गया है। भारत की डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर को भी वैश्विक स्तर पर सराहना मिली है। नितिका के साथ अक्षित वैद्यान, आकाशवाणी समाचार, दिल्ली।

****

वाराणसी में सिगरा के डॉक्टर संपूर्णानंद स्पोर्ट्स स्टेडियम में बिहने से बहत्तरवां सीनियर नेशनल वॉलीबॉल चौंपियनशिप क आयोजन होई। प्रतियोगिता क वर्चुअल उद्घाटन प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी करिहें जबकि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ स्टेडियम में मौजूद रहि के खेलाड़ियन क उत्साह बढ़इहें। चैम्पियनसिप में देस भर से एक हजार बाईस खेलाड़ी हिस्सा ले रहल हवें, जेहमें अबले पन्द्रह राज्यन क टीमिनि क एक सौ अस्सी खेलाड़ी वाराणसी पहुंचि चुकल हवें। पहिली बेरि अंतर्राष्ट्रीय वॉलीबॉल महासंघ क ऑब्जर्वर येह आयोजन क निगरानी करिहें। खेलाड़ियन आ दर्सकन बदे आधुनिक सुविधा के साथे प्रवेस निःसुल्क रक्खल गइल बा।

****